प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 1
विषय - हिंदी (आधार) - 302
कक्षा - बारहवीं (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- इस प्रश्न पत्र में खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।
- खंड 'अ' में उप - प्रश्नों सहित 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ब' में 08 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[10]**

भारत प्राचीनतम संस्कृति का देश है। यहाँ दान पुण्य को जीवनमुक्ति का अनिवार्य अंग माना गया है। जब दान देने को धार्मिक कृत्य मान लिया गया तो निश्चित तौर पर दान लेने वाले भी होंगे। हमारे समाज में भिक्षावृत्ति की ज़िम्मेदारी समाज के धर्मात्मा, दयालु व सज्जन लोगों की है। भारतीय समाज में दान लेना व दान देना-दोनों धर्म के अंग माने गए हैं। कुछ भिखारी खानदानी होते हैं क्योंकि पुश्तों से उनके पूर्वज धर्म स्थानों पर अपना अड्डा जमाए हुए हैं। कुछ भिखारी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं जो देश में छोटी-सी विपत्ति आ जाने पर भीख का कटोरा लेकर भ्रमण के लिए निकल जाते हैं। इसके अलावा अनेक श्रेणी के और भी भिखारी होते हैं। कुछ भिखारी परिस्थिति से बनते हैं तो कुछ बना दिए जाते हैं। कुछ शौकिया भी। इस व्यवसाय में आ गए हैं। जन्मजात भिखारी अपने स्थान निश्चित रखते हैं। कुछ भिखारी अपनी आमदनी वाली जगह दूसरे भिखारी को किराए पर देते हैं। आधुनिकता के कारण अनेक वृद्ध मज़बूरीवश भिखारी बनते हैं।

गरीबी के कारण बेसहारा लोग भीख माँगने लगते हैं। काम न मिलना भी भिक्षावृत्ति को जन्म देता है। कुछ अपराधी बच्चों को उठा ले जाते हैं तथा उनसे भीख मँगवाते हैं। वे इतने हैवान हैं कि भीख माँगने के लिए बच्चों का अंग-भंग भी कर देते हैं। भारत में भिक्षा का इतिहास बहुत पुराना है। देवराज इंद्र व विष्णु श्रेष्ठ भिक्षुकों में थे। इंद्र ने कर्ण से अर्जुन की रक्षा के लिए उनके कवच व कुंडल ही भीख में माँग लिए। विष्णु ने वामन अवतार लेकर भीख माँगी।

धर्मशास्त्रों ने दान की महिमा का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जिसके कारण भिक्षावृत्ति को भी धार्मिक मान्यता मिल गई। पूजा-स्थल, तीर्थ, रेलवे स्टेशन, बसस्टैंड, गली-मुहल्ले आदि हर जगह भिखारी दिखाई देते हैं। इस कार्य में हर आयु का व्यक्ति शामिल है। साल-दो साल के दुध मुँहे बच्चे से लेकर अस्सी-नब्बे वर्ष के बूढ़े तक को भीख माँगते देखा जा सकता है। भीख माँगना भी एक कला है, जो अभ्यास या सूक्ष्म निरीक्षण से सीखी जा सकती है।

अपराधी बाकायदा इस काम की ट्रेनिंग देते हैं। भीख रोकर, गाकर, आँखें दिखाकर या हँसकर भी माँगी जाती है। भीख माँगने के लिए इतना आवश्यक है कि दाता के मन में करुणा

जगे। अपंगता, कुरूपता, अशक्तता, वृद्धावस्था आदि देखकर दाता करुणामय होकर परंपरानिर्वाह कर पुण्य प्राप्त करता है।

(i) गद्यांश के लिए सर्वश्रेष्ठ शीर्षक है-

i. भिक्षावृत्ति एक व्यवसाय
ii. व्यवसाय
iii. भिक्षावृत्ति
iv. एक व्यवसाय

(ii) भारत में जीवन मुक्ति का अनिवार्य अंग किसे माना गया है?

i. दान-पुण्य को
ii. केवल दान को
iii. केवल पुण्य को
iv. संस्कृति को

(iii) धर्मशास्त्रो में किसे धार्मिक मान्यता प्राप्त है?

i. दान को
ii. पुण्य को
iii. भिक्षावृत्ति को
iv. करुणा का

(iv) भिखारी दाता के मन में किस भाव को जगाते हैं?

i. करुणा के
ii. अहंकार के
iii. दानी के
iv. अशक्तता के

(v) भिक्षावृत्ति से कैसे छुटकारा पाया जा सकता है?

i. भीख माँगने की प्रवृत्ति को छोड़कर
ii. उसे धर्म के प्रभाव से अलग करके
iii. उसे समाज से अलग करके
iv. उसे दानियों से अलग करके

(vi) भीख माँगने की कला को कैसा सीखा जा सकता है?

i. अभ्यास व सूक्ष्म निरीक्षण से
ii. केवल अभ्यास से
iii. केवल सूक्ष्म निरीक्षण से

iv. केवल भीख माँगकर

(vii) **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**

I. भारत में भिखारी का एक धार्मिक महत्व है।

II. विष्णु सर्वश्रेष्ठ भिखारी की श्रेणी में आते हैं।

III. भिखारी भी एक कलाकार होता है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

i. I और II

ii. II और III

iii. I और III

iv. I, II और III

(viii) बेसहारा लोग किस कारणवश भीख माँगते हैं?

i. गरीबी के कारण

ii. अभ्यास के कारण

iii. करुणा के कारण

iv. दिखावे के कारण

(ix) वृद्ध मजबूरीवश भिखारी किस कारण से बनते हैं?

i. पुरातनता के कारण

ii. नवीनता के कारण

iii. आधुनिकता के कारण

iv. परम्परा के कारण

(x) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): भारत में भिक्षा का इतिहास नवीन है।

कारण (R): भीख के करुणा एक आवश्यक आवलंब है।

i. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ii. कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

iii. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

iv. कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

वह तोड़ती पत्थर;
देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर-

वह तोड़ती पत्थर।
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;
श्याम तन, भर बंधा यौवन,
नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार:-
सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।
चढ़ रही थी धूप;
गर्मियों के दिन,
दिवा का तमतमाता रूप;
उठी झुलसाती हुई लू
रुई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिनगीं छा गई,
प्रायः हुई दुपहर :-
वह तोड़ती पत्थर।
देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार;
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोई नहीं,
सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।
एक क्षण के बाद वह काँपी सुघर,
ढुलक माथे से गिरे सीकर,
लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा-
"मैं तोड़ती पत्थर।"

(i) **ढुलक माथे से गिरे सीकर** - पंक्ति में **सीकर** शब्द का अर्थ है-

क) बूँद   ख) रक्त

ग) पत्थर   घ) पसीना

(ii) काव्यांश में दोपहर का वातावरण कैसा बताया गया है?

क) आकाश में मेघों से युक्त   ख) कम धूप से युक्त

ग) हलकी हवा से युक्त   घ) गर्म लू से युक्त

(iii) **नत नयन, प्रिय कर्म रत मन** से अभिप्राय है-

क) सुंदर नयन होने के कारण झुककर काम करना

ख) नयन के झुकने के कारण काम करना

ग) उसका कामचोर होना

घ) झुके हुए सुंदर नयन, कर्म साधना में लीन

(iv) किन तथ्यों से प्रकट होता है कि मजदूरिन अपने जीविकोपार्जन हेतु पत्थर तोड़ रही है?
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
कथन (I): जलाने वाली गर्मी में मजदूरिन बिना विश्राम किए पत्थर तोड़ रही है
कथन (II): मजदूरिन अपने जीवन को अपने अनुकूल बना रही है
कथन (III): पत्थर तोड़ती हुई स्त्री सामने ऊँची कोठी को देखती है
कथन (IV): माथे पर पसीने की बूँदे ढरक आने पर भी वह पूरे मनोयोग से पत्थर तोड़ने में जुट गई
निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

क) केवल कथन (IV) सही है।

ख) केवल कथन (II) और (III) सही हैं।

ग) केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।

घ) केवल कथन (III) सही है।

(v) कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
1. चिनगी	(i) पसीने की बूँदें
2. सीकर	(ii) चहारदीवारी
3. प्राकार	(iii) चिंगारी

क) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

ख) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

ग) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)

घ) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-** **[5]**

(i) उल्टा पिरामिड शैली में समाचार कितने भागों में बाँटा जाता है? **[1]**

क) तीन

ख) चार

ग) पाँच

घ) दो

(ii) पीत-पत्रकारिता है- **[1]**

क) सनसनीखेज समाचारों का प्रसारण

ख) पीला कागज पर लिखित समाचार

ग) खोजकर रहस्य जानना   घ) सनसनीखेज समाचारों का संग्रहण

(iii) पत्रकारिता एक तरह से कौन-सा लेखन है? **[1]**

क) पुरातन समाचार लेखन   ख) पौराणिक प्रसंग लेखन

ग) साप्तहिक कथा लेखन   घ) दैनिक इतिहास लेखन

(iv) फ़ीचर लेखन के कितने प्रकार है? **[1]**

क) दस   ख) चार

ग) पाँच   घ) आठ

(v) बीट रिपोर्टर को अपनी रिपोर्ट से जुड़ी कौन-सी खबरें देनी होती है? **[1]**

क) विशेष खबरें   ख) पेज थ्री की खबरें

ग) अंतराष्ट्रीय   घ) सामान्य खबरें

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

सोचिए
बताइए
आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है कैसा
यानी कैसा लगता है
(हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा?)
सोचिए
बताइए
थोड़ी कोशिश करिए
(यह अवसर खो देंगे?)
आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे
इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का करते हैं?

(i) अपाहिज व्यक्ति को बार-बार अपना दुःख बताने के लिए मजबूर करने के पीछे दूरदर्शन वालों का क्या उद्देश्य हो सकता है?

क) अपाहिज की स्थिति में सुधार हेतु प्रयास करना   ख) अपाहिज के प्रति संवेदनशीलता होना

ग) अपने कार्यक्रम को व्यावसायिक रूप से सफल बनाना   घ) सभी विकल्प सही हैं

(ii) किसी के दुःख का प्रदर्शन करके कार्यक्रम को रोचक बनाना क्या है?

क) समय की माँग | ख) दुःख की अभिव्यक्ति
ग) मानवता के विरुद्ध | घ) अनिंदनीय कार्य

(iii) **हम पूछ-पूछकर रुला देंग** पंक्ति में कौन-सा भाव निहित है?

क) क्रूरता का | ख) सामाजिक न्याय का
ग) दुःख एवं संवेदनशीलता का | घ) मानवीय करुणा का

(iv) **यह अवसर खो देंगे** पंक्ति में किस अवसर के खोने की बात की जा रही है?

क) सामाजिक न्याय का | ख) दुःख एवं संवेदनशीलता का
ग) मानवीय करुणा का | घ) क्रूरता का

(v) **यह अवसर खो देंगे** पंक्ति में किस अवसर के खोने की बात की जा रही है?

i. अपंगता को दर्शाने और बताने का अवसर
ii. बात को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर
iii. कैमरे के सामने आने का अवसर
iv. धन कमाने का अवसर

क) विकल्प (i) | ख) विकल्प (iv)
ग) विकल्प (ii) | घ) विकल्प (iii)

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवनभर के लिए एक पेशे से बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखा मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्रायः आती है, क्योंकि उद्योग-धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात् परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो इसके लिए भूखा मरने के अतिरिक्त क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत हो। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोज़गारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) गद्यांश के अनुसार जाति-प्रथा में लेखक ने क्या दोष देखा है?

क) पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने पर मनुष्य को भूखा मरना पड़ता है

ख) जीवनभर मनुष्य को एक पेशे में बाँध देती है

ग) सभी विकल्प सही हैं

घ) जाति-प्रथा जन्म से ही पेशा तय कर देती है

(ii) मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता किस कारण पड़ती है?

क) प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण

ख) निम्न वर्ग को घृणा की दृष्टि से देखे जाने के कारण

ग) उद्योग-धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास के कारण

घ) स्वयं को उच्च वर्ग में सम्मिलित करने के कारण

(iii) पेशा बदलने की स्वतंत्रता के अभाव का क्या परिणाम होता है?

क) मनुष्य सदैव निम्न ही रहता है

ख) मनुष्य की निरंतर प्रगति होती है

ग) मनुष्य सदैव दूसरों को कोसता रहता है

घ) मनुष्य को भूखा मरना पड़ता है

(iv) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): जाति-प्रथा मनुष्य को एक पेशे से नहीं बाँधती है।
कारण (R): हिन्दू धर्म की जाति-प्रथा कोई और पेशा नहीं चुनने देती है।

क) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

ग) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

i. जाति-प्रथा मनुष्य को एक ही पेशे से बाँध देती है।

ii. जाति-प्रथा पेशे का पूर्वनिर्धारण नहीं करती है।

iii. प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता नहीं होनी चाहिए।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) केवल iii

ग) केवल ii

घ) केवल i

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-** **[10]**

(i) **सिल्वर वैडिंग** कहानी के अनुसार नई पीढ़ी कैसे महत्व देती है? **[1]**

क) नैतिकता को

ख) समाज को

ग) भौतिकता को

घ) इनमे से कोई नहीं

(ii) यशोधर बाबू को अनेक बातें **समहाउ इम्प्रोपर** क्यों लगती थी? **[1]**

क) अपनी पत्नी के मॉडर्न बनने के कारण

ख) अपनी आधुनिकता के कारण

ग) उनकी परम्परागत सोच के कारण

घ) बच्चों की सोच के कारण

(iii) यशोधर बाबू को कौन-सी सवारी निहायती बेहूदा लगती है? **[1]**

क) गाड़ी

ख) साइकिल

ग) स्कूटर

घ) रेलगाड़ी

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। **[1]**
कथन (A): यशोधर बाबू की पत्नी पुराने संस्कारों वाली होते हुए भी आधुनिक बन गई।
कारण (R): अपने बच्चों का पक्ष लेने की मातृ-सुलभ मजबूरी ने उन्हें आधुनिक बना दिया।

क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

ख) कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(v) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:- **[1]**
कथन (I): लेखक का दादा अपने पुत्र को पशु चराने की अनुमति नहीं देता।
कथन (II): लेखक का दादा नहीं चाहता कि उसका पुत्र विद्यालय पढ़ने जाए।
कथन (III): लेखक का दादा अपने पुत्र की प्रगति में बाधा बना हुआ है।
कथन (IV): लेखक का दादा चाहता था कि उसका पुत्र खेत में काम करे।
सही कथन/कथनों वाले विकल्प को चयनित कर लिखिए।

क) कथन (I), (II) तथा (III) सही हैं।　　ख) कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।

ग) कथन (II) तथा (III) सही हैं।　　घ) कथन (I) तथा (II) सही हैं।

(vi) **जूझ** पाठ के आधार पर राव साहब ने लेखक को क्या निर्देश दिए? **[1]**

क) सभी　　ख) वह मन लगाकर पढाई करे

ग) वह कल से स्कूल जाना शुरू करे　　घ) यदि उसका पिता उसे स्कूल न भेजे तो वह उनके पास आ जाए

(vii) **जूझ** पाठ के आधार पर आनंदा और उसकी माँ ने राव जी को किस बात के लिए सचेत कर दिया था ? **[1]**

क) दादा को खेतों में काम करने के लिए विवश करें　　ख) दादा का बाहर घूमना बंद कर दिया जाए

ग) उन दोनों के उनके पास आने की बात दादा को ना बताएं　　घ) आनंदा को खेतों में काम ना करने दिया जाए

(viii) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर फसलों की ढुलाई किसके द्वारा की जाती थी? **[1]**

क) हथठेला के　　ख) ऊँटगाड़ी के

ग) बैलगाड़ी के　　घ) सिर पर रख कर

(ix) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर मुअनजो-दड़ो से सिंधु नदी कितनी दूरी पर बहती है? **[1]**

क) 4 किलोमीटर　　ख) 6 किलोमीटर

ग) 5 किलोमीटर　　घ) 10 किलोमीटर

(x) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर सिंधु सभ्यता की तस्वीरें उतारते समय दृश्यों के रंग उड़े हुए क्यों प्रतीत होते हैं? **[1]**

क) चौंधियाती धूप के कारण　　ख) खेतों के हरेपन के कारण

ग) पारदर्शी धूप के कारण　　घ) धूल उड़ने के कारण

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये:** **[6]**

(i) **बदलते सामाजिक रीति-रिवाज** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

(ii) **छोटे परिवार के सुख-दुख** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

(iii) **मेरा प्यारा भारत** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) i. कहानी के नाट्य रूपांतरण में किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है? **[3]**

(ii) **अथवा**

i. इंटरनेट पत्रकारिता क्या है ? **[3]**

(iii) i. नाटककार में रचनाकार के साथ-साथ कुशल संपादक के गुणों की अपेक्षा क्यों की जाती है? **[3]**

(iv) **अथवा**

i. विशेष लेखन के लिए प्रयुक्त भाषा शैली कैसी होनी चाहिए? **[3]**

9. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) फ्री लांसर पत्रकार किसे कहते हैं? **[3]**

(ii) फोन-इन का आशय समझाइए। **[3]**

(iii) समाचार लेखन की उलटा-पिरामिड शैली की विशेषता का उल्लेख कीजिए। **[3]**

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) **दिन जल्दी-जल्दी ढलता है**-की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है? **[3]**

(ii) **व्याख्या करें-** **[3]**

ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी।

(iii) **उहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले बचन मनुज अनुसारी** **[3]**

तुलसीदास द्वारा रचित उपर्युक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट करते हुए अपने विचार व्यक्त कीजिए।

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) **रुबाइयाँ** के आधार पर बताइए कि माँ द्वारा बच्चे को प्रसन्न करने के लिए क्या-क्या किया जा रहा है? **[2]**

(ii) आपके जीवन में शरद ऋतु क्या मायने रखती है? **[2]**

(iii) उषा कविता में कवि ने किस जादू के टूटने का वर्णन किया है? **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है? **[3]**

(ii) **काले मेघा पानी दे** पाठ के आधार पर सूखा पड़ जाए तो लोगों के सामने किस प्रकार की स्थिति उत्पन्न हो जाती है? **[3]**

(iii) **पहलवान की ढोलक** पाठ के आधार पर बीमारियों की विभीषिकाओं से क्रंदन करता हुआ गाँव और अधिक भयावह रूप किन परिस्थितियों में ग्रहण कर लेता था? **[3]**

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) क्या कारण था कि भक्तिन के पास लगान देने के लिए भी धन नहीं था? **[2]**

(ii) महादेवी और भक्तिन के संबंधों की तुलना किनसे की गई है और क्यों? **[2]**

(iii) कवि (साहित्यकार) के लिए अनासक्त योगी की स्थिर प्रज्ञता और विदग्ध प्रेमी का हृदय - एक साथ आवश्यक है। ऐसा विचार प्रस्तुत कर लेखक ने साहित्य-कर्म के लिए बहुत ऊँचा मानदंड निर्धारित किया है। शिरीष के फूल पाठ के आधार पर विस्तारपूर्वक समझाएँ। **[2]**

14. **निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-** **[4]**

(i) यशोधर पंत की पीढ़ी की विवशता यह है कि वे पुराने को अच्छा समझते हैं और वर्तमान से तालमेल नहीं बिठा पाते। **सिल्वर वैडिंग** कहानी के आधार पर इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। **[2]**

(ii) लेखक आनंद यादव का पाठशाला में विश्वास कैसे बढ़ा? **जूझ** कहानी के आधार पर बताइए। **[2]**

(iii) सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था। कैसे? **[2]**

Answers

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
भारत प्राचीनतम संस्कृति का देश है। यहाँ दान पुण्य को जीवनमुक्ति का अनिवार्य अंग माना गया है। जब दान देने को धार्मिक कृत्य मान लिया गया तो निश्चित तौर पर दान लेने वाले भी होंगे। हमारे समाज में भिक्षावृत्ति की ज़िम्मेदारी समाज के धर्मात्मा, दयालु व सज्जन लोगों की है। भारतीय समाज में दान लेना व दान देना-दोनों धर्म के अंग माने गए हैं। कुछ भिखारी खानदानी होते हैं क्योंकि पुश्तों से उनके पूर्वज धर्म स्थानों पर अपना अड्डा जमाए हुए हैं।
कुछ भिखारी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हैं जो देश में छोटी-सी विपत्ति आ जाने पर भीख का कटोरा लेकर भ्रमण के लिए निकल जाते हैं। इसके अलावा अनेक श्रेणी के और भी भिखारी होते हैं। कुछ भिखारी परिस्थिति से बनते हैं तो कुछ बना दिए जाते हैं। कुछ शौकिया भी। इस व्यवसाय में आ गए हैं। जन्मजात भिखारी अपने स्थान निश्चित रखते हैं। कुछ भिखारी अपनी आमदनी वाली जगह दूसरे भिखारी को किराए पर देते हैं। आधुनिकता के कारण अनेक वृद्ध मज़बूरीवश भिखारी बनते हैं। गरीबी के कारण बेसहारा लोग भीख माँगने लगते हैं। काम न मिलना भी भिक्षावृत्ति को जन्म देता है। कुछ अपराधी बच्चों को उठा ले जाते हैं तथा उनसे भीख मँगवाते हैं। वे इतने हैवान हैं कि भीख माँगने के लिए बच्चों का अंग-भंग भी कर देते हैं। भारत में भिक्षा का इतिहास बहुत पुराना है। देवराज इंद्र व विष्णु श्रेष्ठ भिक्षुकों में थे। इंद्र ने कर्ण से अर्जुन की रक्षा के लिए उनके कवच व कुंडल ही भीख में माँग लिए। विष्णु ने वामन अवतार लेकर भीख माँगी।
धर्मशास्त्रों ने दान की महिमा का बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जिसके कारण भिक्षावृत्ति को भी धार्मिक मान्यता मिल गई। पूजा-स्थल, तीर्थ, रेलवे स्टेशन, बसस्टैंड, गली-मुहल्ले आदि हर जगह भिखारी दिखाई देते हैं। इस कार्य में हर आयु का व्यक्ति शामिल है। साल-दो साल के दुध मुँहे बच्चे से लेकर अस्सी-नब्बे वर्ष के बूढ़े तक को भीख माँगते देखा जा सकता है। भीख माँगना भी एक कला है, जो अभ्यास या सूक्ष्म निरीक्षण से सीखी जा सकती है।
अपराधी बाकायदा इस काम की ट्रेनिंग देते हैं। भीख रोकर, गाकर, आँखें दिखाकर या हँसकर भी माँगी जाती है। भीख माँगने के लिए इतना आवश्यक है कि दाता के मन में करुणा जगे। अपंगता, कुरूपता, अशक्तता, वृद्धावस्था आदि देखकर दाता करुणामय होकर परंपरानिर्वाह कर पुण्य प्राप्त करता है।

(i) (i) भिक्षावृत्ति एक व्यवसाय
(ii) (i) दान-पुण्य को
(iii) (iii) भिक्षावृत्ति को
(iv) (i) करुणा के
(v) (ii) उसे धर्म के प्रभाव से अलग करके
(vi) (i) अभ्यास व सूक्ष्म निरीक्षण से
(vii) (iv) I, II और III
(viii) (i) गरीबी के कारण
(ix) (iii) आधुनिकता के कारण

(x) (ii) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

वह तोड़ती पत्थर;
देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर-
वह तोड़ती पत्थर।
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;
श्याम तन, भर बंधा यौवन,
नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार:-
सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।
चढ़ रही थी धूप;
गर्मियों के दिन,
दिवा का तमतमाता रूप;
उठी झुलसाती हुई लू
रुई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिनगीं छा गई,
प्रायः हुई दुपहर :-
वह तोड़ती पत्थर।
देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार;
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोई नहीं,
सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।
एक क्षण के बाद वह काँपी सुघर,
ढुलक माथे से गिरे सीकर,
लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा-
"मैं तोड़ती पत्थर।"

(i) **(घ)** पसीना
व्याख्या: पसीना

(ii) **(घ)** गर्म लू से युक्त
व्याख्या: गर्म लू से युक्त

(iii) **(घ)** झुके हुए सुंदर नयन, कर्म साधना में लीन
व्याख्या: झुके हुए सुंदर नयन, कर्म साधना में लीन

(iv) **(ग)** केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।
व्याख्या: केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।

(v) **(ख)** 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)
व्याख्या: 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-

(i) **(क)** तीन
व्याख्या: उलटा पिरामिड शैली में कोई निष्कर्ष नहीं होता। उलटा पिरामिड शैली के तहत समाचार को तीन हिस्सों में विभाजित किया जा सकता है-इंट्रो, बॉडी और समापन। समाचार के इंट्रो या लीड को हिंदी में मुखड़ा भी कहते हैं।

(ii) **(घ)** सनसनीखेज समाचारों का संग्रहण
व्याख्या: सनसनीखेज समाचारों का संग्रहण

(iii) **(घ)** दैनिक इतिहास लेखन
व्याख्या: दैनिक इतिहास लेखन

(iv) **(घ)** आठ
व्याख्या: फ़ीचर के प्रकार निम्नलिखित हैं

i. समाचार फीचर
ii. घटनापरक फीचर
iii. व्यक्तिपरक फीचर
iv. लोकाभिरुचि फ़ीचर
v. सांस्कृतिक फ़ीचर
vi. साहित्यिक प्रफीचर
vii. विश्लेषण प्रफीचर
viii. विज्ञान फ़ीचर

(v) **(घ)** सामान्य खबरें
व्याख्या: बीट रिपोर्टर को केवल सामान्य खबरें ही पाठक को देनी होती है।

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

सोचिए
बताइए
आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है कैसा
यानी कैसा लगता है
(हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा?)
सोचिए
बताइए
थोड़ी कोशिश करिए
(यह अवसर खो देंगे?)
आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते

हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे
इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का करते हैं?

(i) **(ग)** अपने कार्यक्रम को व्यावसायिक रूप से सफल बनाना
व्याख्या: अपने कार्यक्रम को व्यावसायिक रूप से सफल बनाना

(ii) **(ग)** मानवता के विरुद्ध
व्याख्या: मानवता के विरुद्ध

(iii) **(क)** क्रूरता का
व्याख्या: क्रूरता का

(iv) **(घ)** क्रूरता का
व्याख्या: क्रूरता का

(v) **(क)** विकल्प (i)
व्याख्या: अपंगता को दर्शाने और बताने का अवसर

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवनभर के लिए एक पेशे से बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखा मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्रायः आती है, क्योंकि उद्योग-धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात् परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो इसके लिए भूखा मरने के अतिरिक्त क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत हो। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोज़गारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

(ii) **(ग)** उद्योग-धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास के कारण
व्याख्या: उद्योग-धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास के कारण

(iii) **(घ)** मनुष्य को भूखा मरना पड़ता है
व्याख्या: मनुष्य को भूखा मरना पड़ता है

(iv) **(ग)** कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
व्याख्या: कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(v) **(घ)** केवल i
व्याख्या: केवल i

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेत् निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-

(i) **(ग)** भौतिकता को
व्याख्या: भौतिकता को

(ii) **(ग)** उनकी परम्परागत सोच के कारण
व्याख्या: यशोधर बाबू परम्पराओं के समर्थक थे। वे आधुनिकता को बुरा नहीं मानते थे पर स्वयं की सभ्यता और संस्कृति को भुलाकर आधुनिकता को अपनाने के वे सख्त खिलाफ थे इसलिए अनेक बातें उन्हें **समहाउ इम्प्रोपर लगती थीं**।

(iii) **(ग)** स्कूटर
व्याख्या: स्कूटर

(iv) **(घ)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(v) **(ख)** कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।
व्याख्या: कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।

(vi) **(क)** सभी
व्याख्या: सभी

(vii) **(ग)** उन दोनों के उनके पास आने की बात दादा को ना बताएं
व्याख्या: उन दोनों के उनके पास आने की बात दादा को ना बताएं

(viii) **(ग)** बैलगाड़ी के
व्याख्या: अतीत में दबे पाँव पाठ के आधार पर फसलों की ढुलाई बैलगाड़ी के द्वारा की जाती थी।

(ix) **(ग)** 5 किलोमीटर
व्याख्या: मुअनजो-दड़ो से सिंधु नदी 5 किलोमीटर दूर बहती है।

(x) **(क)** चौंधियाती धूप के कारण
व्याख्या: चौंधियाती धूप के कारण सिंधु सभ्यता की तस्वीरें उतारते समय दृश्यों के रंग उड़े हुए प्रतीत होते हैं।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये:

(i) **बदलते सामाजिक रीति-रिवाज**

समय के साथ, समाज में बदलाव होना स्वाभाविक है। सामाजिक रीति-रिवाजों के बदलते मोड़ न केवल समाज के विकास का प्रतीक होते हैं, बल्कि ये हमारी सोच और दृष्टिकोण में भी परिवर्तन लाते हैं। इसलिए, हमें इन सामाजिक परिवर्तनों को समझने की कोशिश करनी चाहिए और उनके साथ चलने के लिए तैयार रहना चाहिए।
पहले के समय के सामाजिक रीति-रिवाज और आज के समय के बीच में बड़े ही महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। परंपरागत परिप्रेक्ष्य से देखें, हमारे पूर्वज विवाह, परिवार, और समाज के अन्य क्षेत्रों में अनुषासन और परंपरा का पालन करते थे। लेकिन आज के समय में, लोग अपने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समानता की प्राथमिकता देते हैं, और इसके परिणामस्वरूप वे अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं में बदलाव करते हैं।
विशेषकर, स्त्री-पुरुष समानता के क्षेत्र में बड़ा समाजिक परिवर्तन आया है। महिलाएं अब अपने करियर को अपनी प्राथमिकता में रखती हैं और वे समाज के हर क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रही

हैं। इसके साथ ही, विवाह, बच्चे पालने, और परिवार के मामलों में भी बदलाव हुआ है। आजकल कई लोग विवाह के बिना भी एक संबंध बना रहते हैं, और वे अपने बच्चों को सिंगल पैरेंटिंग में पालन कर रहे हैं।

सामाजिक मीडिया का आगमन भी इस सामाजिक परिवर्तन को तेजी से बढ़ा दिया है। लोग अब अपनी राय और विचारों को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं और वहाँ पर अपने साथी समुदायों के साथ जुड़ते हैं।

इन सभी परिवर्तनों के साथ, हमें यह सोचने की आवश्यकता है कि ये परिवर्तन कैसे हमारे समाज और संगठन को प्रभावित कर रहे हैं। क्या हम इन परिवर्तनों का सही तरीके से संबोधित कर रहे हैं और क्या हम इनके साथ सहयोग कर रहे हैं या नहीं, यह बहुत महत्वपूर्ण है। हमें समझना चाहिए कि समाजिक परिवर्तन न केवल अच्छे बदलाव के साथ आते हैं, बल्कि ये चुनौतियों के साथ भी आते हैं, और हमें उन्हें स्वागत करने और समझने के लिए तैयार रहना चाहिए।

(ii) **छोटे परिवार के सुख-दुख**

मानव सभ्यता के विकास के साथ जीवन-यापन में कठिनाई आती जा रही है। आज जीवन-यापन के साधन अत्यंत महँगे होते जा रहे हैं। इस कारण परिवारों का निर्वाह मुश्किल से हो रहा है। इस समस्या का मूल खोजने पर पता चलता है कि जनसंख्या-वृद्धि के अनुपात में जीवनोपयोगी वस्तुओं एवं साधनों में वृद्धि नहीं हुई है। अतः हर देश में परिवारों को छोटा रखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। किंतु छोटे परिवार के साथ सुख-दुख दोनों जुड़े हैं। हालाँकि छोटे परिवार के सुखी होने के पीछे अनेक तर्क दिए जाते हैं।

सर्वप्रथम, छोटे परिवार में सुखदायक संसाधन आसानी से उपलब्ध कराए जा सकते हैं। यदि कोई कठिनाई आती है तो उसका निराकरण अधिक कठिन भी नहीं होता। बड़े परिवार के लिए स्थितियाँ अत्यंत विकट हो जाती है। आधुनिक समय में रोजगार, मकान आदि की व्यवस्था बेहद महँगी होती जा रही है। इन्हीं सब कारणों से छोटा परिवार सुखी माना जाता है।इनके अलावा अन्य कई तरह के फायदे हैं एक छोटे परिवार से।

वहीं दूसरी तरफ छोटे परिवार में अनेक प्रकार की खामियाँ भी है । छोटे परिवार में सुविधाएँ होती हैं, परंतु अपनापन नहीं होता। छोटे परिवार का व्यक्ति सामाजिक नहीं हो पाता। वह अहं भाव से पीड़ित होता है। इसके अलावा, बीमारी या संकट के समय जहाँ बड़े परिवार की जरूरत होती है, छोटा परिवार कभी खरा नहीं उतरता।

(iii) **मेरा प्यारा भारत**

भारत, जिसे हम अपना गृह कहते हैं, वह एक ऐसा देश है जिसका इतिहास, संस्कृति, और प्राकृतिक सौन्दर्य हमें गर्व और प्रेरणा देता है। यहाँ के विविधता, समृद्धि, और ऐतिहासिक महत्व के कारण भारत दुनिया में अनुपम है। इस लेख में, हम भारत के विभिन्न पहलुओं को जानेंगे और उनके महत्व को समझेंगे।

भारत का इतिहास एकमात्र उसके व्यक्तियों की जीवनकाल से ही नहीं, बल्कि यहाँ के विविध सम्राटों, धर्मगुरुओं, और महान व्यक्तियों के योगदान से भी बना है। मौर्य वंश, गुप्त वंश, मुघल साम्राज्य, और ब्रिटिश आवास - ये सभी इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय हैं, जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास को प्रभावित किया। भारतीय संस्कृति भी एक विशेष बात है जो यहाँ के लोगों की भावनाओं, धार्मिकता, और समृद्धि का प्रतीक है। हमारे देश में विभिन्न धर्मों

के अनुयायी रहते हैं और सभी को समान अधिकार और स्वतंत्रता मिलती है। यह एक ऐसा देश है जहाँ धर्म, भाषा, और संस्कृति की विविधता होती है लेकिन सभी को एक साथ जीने का तरीका मिल जाता है।

भारत की प्राकृतिक सौन्दर्य भी बेहद आकर्षक है। हमारा देश विविध जलवायु, प्राकृतिक खेल, जंगलों की सुंदरता, और प्राचीन धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। हिमालय की ऊँचाइयों से लेकर गंगा और यमुना की पवित्रता तक, भारत ने प्राकृतिक सौन्दर्य का अद्वितीय संग्रह किया है। भारत के लोगों की मित्रभावना, समाजशास्त्र, और विविधता के प्रति प्रतिबद्धता का यह देश को एक अद्वितीय स्थान देता है। हमारे देश के विभिन्न भागों में विविध भाषाएँ, भोजन, और समरसता का आदान-प्रदान होता है। इस लेख के अंत में, मैं यह कहना चाहता हूँ कि भारत मेरे लिए सिर्फ एक देश नहीं है, बल्कि यह मेरी पहचान है, मेरा गौरव है, और मेरा प्यार है। इस देश में हमारा कर्म, संस्कृति, और इतिहास है, जो हमें एक-दूसरे के साथ जीने का तरीका सिखाता है। इसलिए, मैं हमेशा अपने प्यारे भारत के प्रति कृतज्ञ रहता हूँ और इसके उत्थान-पतन में भाग लेने के लिए समर्थन करता हूँ। जय हिन्द!

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) i. कहानी के नाट्य रूपांतरण में कई समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इनमें से कुछ मुख्य समस्याएँ शामिल हैं: पटकथा का संक्षिप्त करना, चरित्रों की प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखना, स्थान, समय और संगठन में परिवर्तन करना, भावनाओं और वातावरण का बदलाव करना, नाटकीय दृश्यों को अभिव्यक्ति करना। इन समस्याओं का सामना करके नाट्य रूपांतरण करना कला और दृष्टांत का मिलान करने का काम होता है।

(ii) **अथवा**

i. इंटरनेट पर विभिन खबरों का आदान-प्रदान और अलग-अलग अखबारों का प्रकाशन ही इंटरनेट पत्रकारिता कहलाता है । इंटरनेट पत्रकारिता का आरंभ 1982 के आस-पास से हुआ है । भारत में इंटरनेट पत्रकारिता की शुरुआत लगभग 1993 से हुई । आज के समय में तमाम अखबार और पत्रिकायें हैं, जिन्हें हम इंटरनेट से आसानी से पा सकते हैं ।

(iii) i. नाटककार में रचनाकार के साथ-साथ कुशल संपादक के गुणों की अपेक्षा इसलिए की जाती है क्योंकि संपादक नाटक के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संपादक द्वारा कार्यरत गुणों की मदद से नाटक को सुव्यवस्थित और संगठित बनाया जाता है। वह चरित्रों के विकास, निबंधन, भाषा, और प्रदर्शन को सुधारता है ताकि नाटक दर्शकों के मनोरंजन और संदेश को सही ढंग से पहुँचा सके।

(iv) **अथवा**

i. विशेष लेखन की भाषा -शैली सामान्य लेखन शैली से अलग होती है। विशेष लेखन करते समय संवाददाता को संबंधित क्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली तकनीकी शब्दावली का प्रयोग करना पड़ता है तथा पाठकों को भी उस शब्दावली से अवगत कराना होता है ताकि वे उसकी बात को समझ सकें जैसे शेयर की रिपोर्ट लिखते समय संसेक्स आसमान पर, रिकार्ड टूटे, संसेक्स लुढ़का आदि।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) फ्री लांसर पत्रकार किसी पत्र या पत्रिका में नौकरी नहीं करता, बल्कि वह किसी भी समाचार-पत्र को लिखकर पारिश्रमिक प्राप्त करता है।

(ii) **फोन इन** कार्यक्रम रेडियो या टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले वे कार्यक्रम होते हैं, जिनमे किसी सामाजिक, सांस्कृतिक या जागरूकतापरक कार्यक्रम में दर्शकों को फोन करके जानकारी ग्रहण करने या अपने विचार प्रस्तुत करने का अधिकार होता है।

(iii) उल्टा पिरामिड शैली समाचार लेखन की सर्व प्रचलित शैली है, जो कथात्मक शैली के विपरीत क्रम की शैली है। इस शैली में सबसे महत्त्वपूर्ण सूचना पहले व कम महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ बाद में प्रस्तुत की जाती हैं। कथात्मक शैली में महत्त्वपूर्ण तथ्य (क्लाइमेक्स) मध्य या अन्त से पूर्व रखे जाते हैं जबकि उल्टा पिरामड शैली में प्रारम्भ ही चरमोत्कर्ष होता है। इस शैली में लिखित समाचार के तीन भाग होते हैं-इण्ट्रो (मुखड़ा), बॉडी व समापन।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) दिन जल्दी-जल्दी ढलता है- की आवृत्ति से यह प्रकट होता है कि प्रेम में डूबे और लक्ष्य की तरफ़ बढ़ने वाले मनुष्य को समय बीतने का पता नहीं चलता। जैसे गंतव्य का स्मरण पथिक के कदमों में स्फूर्ति भर देता है वैसे ही प्रेम में डूबे हुये जन को भी दिन के ढलने अहसास नही होता और वह शीघ्र ही अपनी मंजिल पाना चाहता है।

(ii) कवि कहते हैं कि एक बार वह सरल कथ्य की अभिव्यक्ति करते समय भाषा को अलंकृत करने के चक्कर में ऐसा फँस गया कि वह अपनी मूल बात को प्रकट ही नहीं कर पाया। जिस प्रकार जोर -जबरदस्ती करने से कील की चूड़ी मर जाती है और तब चूड़ीदार कील को चूड़ीविहीन कील की तरह ठोंकना पड़ता है उसी प्रकार कथ्य के अनुकूल भाषा के अभाव में कथन का प्रभाव नष्ट हो जाता है और अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

(iii) यह पंक्तियाँ मानव जीवन के मूल्यों का विवरण करती हैं। ये पंक्तियाँ व्यक्ति को संयम, सद्भाव, न्याय, धैर्य, सामर्थ्य और साझा बंधुत्व की महत्वपूर्णता सिखाती हैं। इन गुणों के पालन से व्यक्ति संतुष्ट, समर्पित और अनुशासित जीवन जी सकता है जो सामाजिक और मानविकी समृद्धि का आधार बनाता है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) माँ अपने बच्चे को गोद में लेकर आँगन में खड़ी है। कभी वह उसे अपने हाथों पर झुलाती है, तो कभी हवा में उछाल-उछाल कर प्रसन्न होती है। बच्चा भी माँ के हाथों के झूले में झूलता हुआ खिलखिलाकर हँस रहा है।
माँ वात्सल्य भाव के साथ बच्चे को स्वच्छ जल से नहलाती है, इसके बाद वह उसके उलझे बालों में कंधी कर उसे सुंदर बनाती है। माँ बच्चे को अपनी घुटनियों में लेकर कपड़े पहनाती है। बच्चा भी अपनी माता की गोद में प्रसन्न रहता है।

(ii) मेरे जीवन में शरद ऋतु बहुत मायन रखती है। शरद ऋतु में ग्रीष्म ऋतु की तरह अधिक गर्मी नहीं पड़ती। भादों के समान अधिक बारिश नहीं होती। इस समय ठंड होती है, जो बहुत अच्छी लगती है। वातावरण सुंदर तथा मस्ती से भरा होता है। इस ऋतु के आगमन के साथ ही हमारे जीवन में उत्साह का संचार हो जाता है। प्राकृतिक वातावरण सुहावना हो जाता है। शरद ऋतु स्वास्थ्यवर्धक मानी जाती है। धूप का मज़ा भी इस ऋतु में उठाया जाता है। शरद ऋतु अपने साथ

त्यौहारों की बहार लेकर आती है। दीपावली, दशहरा, नवरात्र, दुर्गा पूजा, भईया दूज, क्रिसमिस इत्यादि इस ऋतु में आने वाले प्रमुख भारतीय त्यौहार हैं। इस ऋतु में खाने के लिए विभिन्न प्रकार की सब्ज़ियाँ उपलब्ध हो जाती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह ऋतु उत्तम होती है क्योंकि इस ऋतु में पाचन शक्ति मज़बूत होती है।

(iii) कवि ने नए-नए उपमानों के द्वारा सूर्योदय का सुंदर वर्णन किया है। ये उपमान सूर्य के उदय होने में सहायक हैं। कवि ने इनका प्रयोग गतिशीलता के लिए किया है। सूर्योदय होते ही यह जादू टूट जाता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) बाज़ार का जादू चढ़ने पर मनुष्य बाज़ार की आकर्षक वस्तुओं के मोह जाल में फँस जाता है। बाजार के इसी आकर्षण के कारण ग्राहक सजी-धजी चीजों को आवश्यकता न होने पर भी खरीदने के लिए लालायित हो जाता है। इसी मोहजाल में फँसकर वह ऐसी गैरजरूरी वस्तुएँ खरीद लेता है जो कुछ समय बाद घर के किसी कोने की शोभा बढ़ाती है, परन्तु जब यह जादू उतरता है तो उसे एहसास होता है कि जो वस्तुएँ उसने आराम के लिए खरीदी थीं उल्टा वे तो उसके आराम में खलल डाल रही है।

(ii) यदि सूखा पड़ जाए तो जन-जीवन अत्यंत दयनीय हो जाता है। गर्मी अपना भयावह रूप दिखाती है। शहरों में लोग गर्मी के कारण तड़पने लगते हैं। नलों में पानी की एक भी बूँद नज़र नहीं आती है। गाँवों में खेतों की मिट्टी सूखकर पपड़ी बन जाती है। लू के प्रभाव के कारण व्यक्ति तथा पशु-पक्षी सभी बीमार पड़ जाते हैं। पानी के अभाव में पशु भी मरने लगते हैं और पर्याप्त मात्रा में पानी न मिलने से खेतों में अन्न की उपज भी नहीं हो पाती, जिसके कारण भुखमरी फैल सकती है।

(iii) जब गाँव में बीमारियाँ फैली हुई थीं तब प्रत्येक घर में मौत नाच रही थी। ऐसे में दिनभर की राख की ठंडी मिट्टी पर बैठे हुए कुत्ते शाम होते ही किसी आशंका के चलते एकत्रित होकर रोने लगते थे। तब यह स्थिति अत्यंत भयावह रूप लेकर डराने लगती थी, जो क्रंदन से भी अधिक भयंकर मालूम होती थी।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) जब भक्तिन की बड़ी बेटी विधवा हो गई तो जेठ के लड़के ने अपने तीतरबाज साले भक्तिन की बेटी से विवाह करने को बुलाया ताकि भक्तिन की सारी संपत्ति उनके कब्जे में आ जाए। जब भक्तिन की बेटी ने उससे विवाह के लिए मना कर दिया तो उस लड़के ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर भक्तिन की बेटी को बदनाम कर दिया। उनके बहकावे में आकर पंचायत ने दोनों को विवाह करने का आदेश दिया। पंचायत के आगे माँ-बेटी की एक न चल सकी और विवाह हो गया। दामाद अब निश्चित होकर तीतरबाजी करता था और इतने यत्न से सँभाले हुए गाय-ढोर, खेती-बाड़ी आदि पारिवारिक द्वेष में ऐसे झुलस गए कि वह जमींदार को लगान के पैसे भी न दे पाई। भक्तिन अब अत्यधिक दुःखी रहने लगी।

(ii) महादेवी और भक्तिन के संबंधों की तुलना घर और घर में आने वाले अँधेरे-उजाले के बीच या घर के बगीचे एवं बगीचे में खिले गुलाब के फूल के बीच मौजूद संबंधों से की गई है। भक्तिन और महादेवी का ऐसा ही संबंध बन गया है। जिस तरह खिलता हुआ गुलाब घर के हर सदस्य को हर्षित करता है, उसी प्रकार भक्तिन लेखिका के जीवन में आनंद की वर्षा करती है।

(iii) लेखक ने साहित्य-कर्म के लिए बहुत ही ऊँचा मानदंड निर्धारित किया है क्योंकि लेखक के अनुसार वही महान कवि बन सकता है जो अनासक्त योगी की तरह स्थिर-प्रज्ञ तथा विदग्ध प्रेमी की तरह सहृदय हो जैसे महाकवि कालिदास। छंद तो कोई भी लिख सकता है परंतु उसका यह अर्थ नहीं कि वह महाकवि हो जायेगा। कवि में वज्र जैसी कठोरता और पुष्प की तरह कोमलता दोनों गुणों की अपेक्षा की जाती है। लेखक ने कबीर, सूर, तुलसी, कालिदास आदि को इसलिए महान माना है क्योंकि इन में अनासक्ति का भाव तो था ही साथ ही उन्होंने मर्यादा का भी पालन करने के साथ-साथ सहृदयता का भी संचार किया।

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-

(i) **सिल्वर वैडिंग** का के नायक यशोधर बाबू हैं। वे रहते तो वर्तमान में हैं, परंतु जीते अतीत में हैं। वे अतीत को आदर्श मानते हैं। यशोधर को पुरानी जीवन शैली, विचार आदि अच्छे लगते हैं, वे उनका स्वप्न हैं। परंतु वर्तमान जीवन में वे अप्रासंगिक हो गए हैं। कहानी में यशोधर का परिवार नए ज़माने की सोच का है। वे प्रगति के नए आयाम छूना चाहते हैं। उनका रहन-सहन, जीने का तरीका, मूल्यबोध, संयुक्त परिवार के कटु अनुभव, सामूहिकता का अभाव आदि सब नए ज़माने की देन है। यशोधर को यह सब 'समहाड इम्प्रापर' लगता है। उन्हें हर नई चीज़ में कमी नजर आती है। वे नए जमाने के साथ तालमेल नहीं बना पा रहे। वे अधिकांश बदलावों से असंतुष्ट हैं। वे बच्चों की तरक्की पर खुलकर प्रतिक्रिया नहीं दे पाते। यहाँ तक कि उन्हें बेटे भूषण के अच्छे वेतन में भी कमी नजर आती है। दरअसल यशोधर बाबू अपने समय से आगे निकल नहीं पाए। उन्हें लगता है कि उनके जमाने की सभी बातें आज भी वैसी ही होनी चाहिए।

(ii) जब लेखक को वसंत पाटील के साथ दूसरे लड़कों के सवाल जाँचने का काम मिला, तब उसकी वसंत से दोस्ती हो गई। अब ये दोनों एक-दूसरे की सहायता से कक्षा के अनेक काम निपटाने लगे। सभी अध्यापक लेखक को 'आनंदा' कहकर बुलाने लगे। यह संबोधन भी उसके लिए बड़ा महत्वपूर्ण था क्योंकि इस नाम से केवल उसकी माँ बुलाती थी वह भी बहुत काम। पहली बार पाठशाला में ही उसे स्वयं का नाम सुनने को मिला। 'आनंदा' की कोई पहचान बनी। एक तो वसंत की दोस्ती, दूसरा अध्यापकों का अपनेपन का व्यवहार-इस कारण लेखक का अपनी पाठशाला में विश्वास बढ़ने लगा।

(iii) सिन्धु सभ्यता, एक साधन-सम्पन्न नगरीय सभ्यता थी परन्तु उसमें राजसत्ता या धर्मसत्ता के चिह्न नहीं मिलते। वहाँ की नगर योजना में वास्तुकला, मुहरों, ठप्पों, जल-व्यवस्था, साफ-सफाई और सामाजिक व्यवस्था आदि की एकरूपता द्वारा उनमें अनुशासन देखा जा सकता है, आडंबर नहीं। यहाँ पर सब कुछ आवश्यकताओं से ही जुड़ा हुआ है, वहाँ यातायात के साधन के रूप में बैलगाड़ी की व्यवस्था थी, अनाज भंडार भरे थे। नागरिक सुविधासंपन्न थे किन्तु भव्यता का प्रदर्शन कहीं नहीं मिलता। अन्य सभ्यताओं में राजतंत्र और धर्मतंत्र की ताकत को दिखाते हुए भव्य महल, मंदिर ओर मूर्तियाँ बनाई गईं किंतु सिन्धु घाटी सभ्यता की खुदाई में छोटी-छोटी मूर्तियाँ, खिलौने, मृद-भांड, नावें मिली हैं। 'नरेश' की मूर्ति के सिर पर जो 'मुकुट' है शायद उससे छोटे 'सिरपेंच' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसमें प्रभुत्व या दिखावे के तेवर कहीं दिखाई नहीं देते। इस प्रकार सिंधु सभ्यता विकसित साधन सम्पन्न सभ्यता थी लेकिन भव्यता का दिखावा कहीं नहीं था।